

been included in the Budget for 1974-75 as phase I:—

(i) Replacement of structures of the General Stores and Signalling Workshop at Howrah and shifting them to Belur.

(ii) Replacement of the structures of the Belur Scrap Yard and shifting it to Dankuni.

These works would release space for further expansion of terminal facilities at Howrah to be taken up in subsequent phases

(2) Engineering-cum-Traffic Survey for provision of suburban terminal facilities in Calcutta (South Eastern Railway)

पूर्वी जोन में गाड़ियों का बिलम्ब से चलना

2714. श्री राम ब्राह्मदार शास्त्री: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को पता है कि पूर्वी जोन में चलने वाली प्रायः सभी गाड़ियाँ अपने गन्तव्य स्थानों पर देरी से पहुँचती हैं,

(ख) यदि हाँ, तो उसके क्या कारण हैं, और

(ग) सरकार ने गाड़ियों को समय पर चपाने के लिये क्या व्यवस्था की है और उसके क्या परिणाम निकले हैं?

रेल मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री गृहम्बर लक्ष्मी कुरेसी): (क) और (ख). कर्मचारी प्रादोलनो, खतरे की जंजीर के खींचे जाने, होम-ग्राइप को क्षय कर देने, जन प्रादोलनो और वृद्धि प्रादि विभिन्न कारणों से पूर्वी जोन में एक घंटे से गाड़ियों का समय-पालन सतोषजनक नहीं रहा है।

(ग) गाड़ियों के चालन पर विभिन्न स्तरों पर कड़ी नियंत्रण रखी जाती है और परिहार्य अवरोध के मामलों में प्रोचक कार्रवाई की जाती है। समय-पालन में सुधार के लिए दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई भी की जाती है।

पटना और झारखंड के बीच यात्री तथा स्टेशन रेलगाड़ियों का बिलम्ब से चलना

2715. श्री रामावतार शास्त्री क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या दिल्ली से कलकत्ता तक फिर वापसी के लिए मेन लाइन पर चलने वाली तेज रेलगाड़ियों के चलने झारा और पटना के बीच यात्री तथा स्टेशन रेल गाड़ियों के बिलम्ब से चलने के कारण पटना सचिवालय तथा अन्य कार्यालयों के कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता

(ख) क्या वे बहुधा तेज रेलगाड़ियों पर मवार होने, पटना में झारा तक सभी स्टेशनों पर जंजीर खींच कर उतरने के लिये बाध्य होते हैं,

(ग) क्या उन्हें इस सबब में गत तीन महीनों में किसी समय मत्वय में कोई सम्भावना प्राप्त हुआ है, और

(घ) यदि हाँ, तो इसकी मुख्य बातें क्या हैं और सरकार ने इस पर क्या कार्यवाही की है?

रेल मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री गृहम्बर लक्ष्मी कुरेसी)

(क) और (ख). झारा और पटना के बीच यात्रा करने वाले कार्यालय कर्मचारियों का न जान वाली 387/388 झारा - पटना मवारी गाड़ियों का समय-पालन पिछले तीन महीनों में काफी सतोषजनक रहा है और घामनौर पर डाक/एक्सप्रेस गाड़ियों के कारण इन गाड़ियों के चालन पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ता। नकिन कुछ यात्री यात्रा के लिए डाक/एक्सप्रेस गाड़ियाँ का चुनते हैं और खनरे की जंजीर खींचकर उन्हें उन स्थानों पर रुक लेते हैं जहाँ उनका ठहरना निर्धारित नहीं है।

(ग) और (घ) इस सबब में समय मत्वय से एक सम्भावना भी प्राप्त हुआ है जिसके बारे में स्थिति ऊपर स्पष्ट कर दी गयी है।

Supply of Ration and Essential Commodities to Railway Employees at Par with Armed Forces and B.S.F.

2716. SHRI RAMAVATAR SHASTRI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state